

बंध्या वि. स्त्री. (तत्.) वह महिला जो संतति को पैदा करने की क्षमता न रखे, प्रजनन शक्ति रहित महिला, बाँझ स्त्री।

बंध्याकरण पुं. (तत्.) बधिया करना, बाँझ बना देना, शरीर के एक विशेष अंग की नसबंदी कर देना ताकि संतान उत्पत्ति के शुक्राणु का उद्गम न हो castration

बंपर पुं. (अं.) 1. जोरदार, अत्यधिक 2. जरूरत से ज्यादा जैसे- भरपूर फसल होने पर कहा जाता है- इस बार बंपर फसल हुई है bumper

बंपुलिस स्त्री. (अं.) सार्वजनिक शौचालय, शौच के लिए नगर पालिका या नगर परिषद् द्वारा बनाया गया स्थान।

बंब पुं. (अं.) 1. शक्तिशाली विस्फोटक पदार्थ 2. गैस भरा गोला जो निर्धारित समय पर फटता है 3. धौंसा, बम, नगाड़ा 4. शिवभक्तों का भक्तिविभोर होकर 'बम्-बम्' शब्द बोलना 5. रणनाद bomb

बंबा पुं. (तद्.) 1. पानी के नल की टॉटी, जलस्रोत, पंप 2. बड़े गोल मुँह वाला पाइप 3. पानी बहाने का तल फा. नहर canal

बंबू पुं. (अं.) 1. बाँस की पतली नली जिससे अफीम किमाम पिया जाता है 2. नली bamboo

बंस पुं. (तद्.) 1. वंश, खानदान, परिवार, कुटुंब, संतान, संततिपरंपरा 2. बाँस 3. बाँसुरी 4. नाक के ऊपर की हड्डी 5. पीठ की हड्डियाँ।

बंसकार पुं. (तत्.) वंशी, बाँसुरी।

बंसबाड़ी स्त्री. (तद्.) बाँसों का उगा झुंड या झुरमुट।

बंसरी स्त्री. (तद्.) मुरली, वंशी मछली फँसाने की बंसी या नौकदार काँटा।

बंसलोचन पुं. (तद्.) 1. बाँस के जलने के बाद बचे क्षार में उपलब्ध सफेद रंग के छोटे टुकड़े ये प्रायः लंबी पोर वाले बाँसों की गाँठ से मिलते हैं और यह औषधि के रूप में प्रयुक्त होता है 2. बंसकपूर।

बंसी स्त्री. (तद्.) 1. वंशी, मुरली 2. मछली फँसाने वाली कँटिया।

बंसीधर पुं. (तद्.) श्रीकृष्ण, वंशीधारक श्रीकृष्ण।

बँकारो वि. (तद्.) तिरछा, वक्र।

बँचवाना स.क्रि. (तद्.) किसी से वाचन करवाना, पढ़वाना।

बँटना अ.क्रि. (तद्.) वितरण करना, पृथक् होना, कई लोगों को उनका हिस्सा दिया जाना या मिलना।

बँटवाई स्त्री. (तद्.) 1. बाँटा जाने वाला पारिश्रमिक 2. बँटने या पिसवाने का पारिश्रमिक।

बँटवाना पुं. (तद्.) 1. दूसरे के द्वारा बाँटने का काम कराना 2. किसी अन्य व्यक्ति को वितरण के लिए नियुक्त करना 3. किसी वस्तु को अन्य से बँटवाना या पिसवाना।

बँटवारा पुं. (तद्.) 1. अलग-अलग करना, बाँटने का काम या भाव 2. मेहनताना, अंशधारकों में संपत्ति का विभाजन 3. दो राज्यों या राष्ट्रों का विभाजन या बँटवारा।

बँटाई स्त्री. (तद्.) 1. बाँटने का काम, काम करने की मजदूरी 2. कृषि कार्य दूसरे के द्वारा कराए जाने पर दिया जाने वाला उपज का आधा भाग, भूस्वामी को तिहाई या कुछ निर्धारित अंश या बटाई।

बँटाना सं.क्रि. (तद्.) 1. बाँटकर हिस्सा ले लेना 2. बाँटने की क्रिया दूसरे द्वारा कराना 3. किसी के भार को कम करने में सहयोग देना।

बँटावन वि. (तद्.) 1. हिस्सा या भाग करने वाला 2. प्राप्तांश, बँटवारे में प्राप्त वस्तु।

बँटैया पुं. (तद्.) 1. भाग करने वाला 2. हिस्सेदार।

बँधना अ.क्रि. (तद्.) बंधन में बँधना, प्रतिबंध में आना, बचनबद्ध होना, कैदी होना।

बँधनि स्त्री. (तद्.) बंधन, बाँधने वाली वस्तु।

बँधवाना क्रि.वि. (तद्.) बाँधने की क्रिया दूसरे से कराना, बाँधने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को प्रेरित करना, निर्धारित करना, जेल दिलवाना इकट्ठा करके रखवाना।